

प्रताभारस

EXTRAORDINARY

माग II--- खण्ड 3--- उपखण्ड--- (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राविकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं∘ 372]

नई दिल्ली, बुधवार, श्रन्तुबर 14, 1970/ग्रादिवन 22, 1892

No. 372]

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 14, 1970/ASVINA 22, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th October 1970

\$.0. 3394.—The following Order made by the President is published for general information:—

ORDER

Whereas I, V. V. Giri, President of India had on 16th October, 1969 made an Order, suspending for a period of one year the operation of certain provisions of the Government of Union Territories Act, 1963 (20 of 1963) (hereinafter referred to as "the Act") in relation to the Union territory of Manipur, and making certain incidental and consequential provisions which appeared to me to be necessary and expedient for administering the Union territory of Manipur in accordance with the provisions of article 239 of the Constitution during the aforesaid period;

And whereas I have received a report from the Administrator of the Union territory of Manipur and after considering the report and other information received by me, I am satisfied that the situation in the Union territory continues to be such that the administration of that territory cannot be carried on in accordance with the provisions of the Act and that for the proper administration of the Union territory it is necessary that the operation of the provisions of the Act suspended by me under the said Order should continue to remain suspended.

and the incidental and consequential provisions made therein should continue to operate beyond the period of one year mentioned in the said Order;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 51 of the Act and all other powers enabling me in that behalf, I hereby direct—

- (a) that the operation of the provisions of the Act suspended by virtue of clause (a) of my aforesaid Order shall continue to remain suspended and the incidental and consequential provisions made by virtue of clause (b) of the aforesaid Order shall continue to be operative, for a further period of six months with effect from the 16th day of October, 1970; and
- (b) that for the words "one year" occurring in clause (a) of the aforesaid Order, the words "one year and six months" shall be substituted.

V. V. GIRI, President.

NEW DELHI-4; The 13th October, 1970.

> [No. F. 10/33/70-SR.] K. R. PRABHU, Jt. Secy.

गृह मंत्रालय

ग्रिबस्चना

नई विल्ली, 14 प्रक्तूबर, 1970

एस ० श्रो ० 3394—.राष्ट्रपित द्वारा जारी किया गया निम्नलिखित श्रादेश सर्वसाधारण के सूचनार्थ प्रकाशित किया जा रहा है:

मावेश

यतः मैंने, व० वे० गिरि, भारत के राष्ट्रपति ने, 16 प्रक्तूबर, 1969 को संघ राज्य-क्षेत्र शासन प्रधिनियम 1963 (1963 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "प्रधिनियम" कहा गया है) के कित्यय उपबन्धों का प्रवर्तन मणिपुर संघ राज्य-क्षेत्र के संबंध में एक वर्ष की कालावधि के लिए निलम्बित करते हुए घौर कितपय ग्रानुषंगिक ग्रौर पारिणामिक उपबंध बनाते हुए जो मुझे उपर्युक्त कालावधि में मणिपुर संघ राज्य क्षेत्र का प्रशासन संविधान के ग्रनुच्छेद 239 के उपबन्धों के ग्रनुसार चलाने के लिए बावश्यक भीर समीचीन लगे थे, एक ग्रादेश किया था ;

भीर यतः मुझे मणिपुर संघ राज्य-क्षेत्र के प्रशासक से एक रिपोर्ट प्राप्त हुई है ग्रीर उस रिपोर्ट तथा मुझे प्राप्त ग्रन्य जानकारी पर विचार करने के पश्चात् मेरा यह समाधान हो गया है कि संघ राज्य-क्षेत्र में स्थित ग्रभी भी ऐसी बनी हुई है कि राज्य क्षेत्र का प्रशासन ग्रधिनियम के उपबन्धों के श्रनुसार नहीं खलाया जा सकता ग्रीर यह कि संघ राज्य क्षेत्र के उचित प्रशासन के लिए उक्त ग्रादेश के ग्रधीन मेरे द्वारा निलम्बित ग्रधिनियम के उपबन्धों का प्रवर्तन निलम्बित रहना ग्रीर उस ग्रादेश में बनाए गए ग्रानुषंगिक ग्रीर पारिणामिक उपबन्धों का उक्त ग्रादेश में विणित एक वर्ष की कालाविध के बाद भी प्रवर्तित रहना ग्रावश्यक है ;

श्रतः श्रव, श्रधिनियम की धारा 51 द्वारा श्रदत्त शक्तियों का श्रौर उस निमित्त मुझे समर्थ बनाने वाली श्रन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एत प्रदारा निर्देश देता हूं :---

(क) कि मेरे उपरोक्त ब्रादेश के खण्ड (क) के फलस्वरूप निलम्बित अधिनियम के उपबन्धों का निलम्बन श्रीर उपरोक्त भादेश के खण्ड (ख) के फलस्वरूप बनाए

गए आनुवंगिक और पारिणामिक उपबन्ध अन्त्वर 1970 के 16वें दिन से छह मास की और कालावधि के लिए प्रवर्तित रहेंगे ; और

(ख) यह कि उक्त ध्रादेश के खण्ड (क) में "एक वर्ष" शब्दों के स्थान पर "एक वर्ष धौर छह मास" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे ।

नई दिल्ली-4;

व ० वे ० गिरि, राष्ट्रपति ।

13 धक्तूबर, 1970।

[सं ० एफ ० 10/33/70-एस ० भार ०] के ० भार ० प्रभु, संयुक्त सचित्र।